इमारत के दौरे की रूपरेखा

अलबर्टा विधान मंडल (Alberta Legislature)

विधान मंडल की इमारत

- अलबर्टा 1905 में कैनेडा का प्रदेश बना। विधान मंडल की इमारत, 1907 से 1912 के बीच एडमंटन के पुराने किले (old Fort) के नज़दीक एक स्थल पर बनाई गई।
- इमारत एक अलंकृत ढ़ंग से बनाई गई थी जिसे बो-आर्ट्स कहा जाता है, और जो 20 वीं सदी के पहले भाग में प्रचलित था। यह उस काल के दौरान कैनेडा व अमेरिका में बनी अन्य बहुत सी मुख्य इमारतों से मिलती जुलती है।
- इमारत का बाहरी भाग पर दो प्रकार के पत्थर लगे हैं। नीचे वैनकूवर द्वीप, कैनेडा से लाया गया ग्रेनाइट लगा है; ऊपरी भाग तथा स्तम्भ, कैल्गरी, अलबर्टा के नज़दीक से तथा ओहायो, यू.एस.ए. से लाए गए बलुआ पत्थर से बने हैं।

गोलाकार भवन (स्तर 2)

- गोलाकार भवन क्यूबैक, कैनेडा से लाए गए करीब 2000 टन संगमरमर से बनाया गया है। संगमरमर के प्रत्येक मज़बूत स्तम्भ का वज़न 16 टन है।
- मौजूदा फव्वारा, कैनेडा की रानी तथा कॉमनवैल्थ की अध्यक्षा, रानी एलिज़ाबेथ II के पहले सरकारी दौरे के प्रतीक के तौर पर 1959 में बनाया गया था।
- रेजिमेंट के रंग (Regimental Colours), जो झंडों की तरह दीखते हैं, गोलाकार भवन की चारों ओर अलबर्टा की उन फौजी टुकड़ियों का प्रतीक हैं जिन्होंने कैनेडा के युद्धों में भाग लिया।
- रोल ऑफ ऑनर में प्रदेश के उन सरकारी अफसरों के नाम अंकित हैं जिन्होंने विश्व युद्धों में भाग लिया; यादगारी फलकों पर उनके नाम अंकित हैं जो युद्ध में मारे गए।
- गोलाकार भवन की उत्तर-पश्चिमी तरफ रानी विक्टोरिया की चौथी बेटी, राजकुमारी लूइस कैरोलीन अलबर्टा की मूर्ति है, जिनके नाम पर प्रदेश का नाम रखा गया था।
- गोलाकार भवन की उत्तर-पूर्वी तरफ चीफ करोफुट की मूर्ति है जिनका 1800 के अंतिम भाग में उत्तरी कैनेडा के शांतिमय व्यवस्थापन में एक विशिष्ट स्थान है।
- विधान मंडल पुस्तकालय (Legislature Library) (बड़ी सीढ़ियों के पार) 1906 में स्थापित किया गया और किसी समय यह अलबर्टा का सबसे बड़ा पुस्तकालय था। यह आम जनता के लिए खुला है, लेकिन आज इसका इस्तेमाल अधिकतर विधान सभा के सदस्यों तथा प्रदेश के सरकारी अफसरों के लिए संदर्भ-पुस्तकालय के तौर पर किया जाता है।

तीसरी मंज़िल

- बड़ी सीढ़ियों (Grand Staircase) के सबसे ऊपर विधान मंडल चैंबर (Legislative Assembly Chamber) के मुख्य द्वार हैं। दरवाज़े बेलीज़ से लाई गई मज़बूत लाल महोगनी की लकड़ी से बनाए गए थे और उन पर हाथ से नक्काशी की गई।
- दरवाज़ों के ऊपर अलबर्टा कोट ऑफ आर्मज़ (Alberta Coat of Arms) भी महोगनी के हैं जिन पर नक्काशी करने को लगभग 500 घंटे लगे।

अलबर्टा के प्रीमीयरों के चित्र

- दक्षिण-पूर्वी दीवार के साथ-साथ अलबर्टा के भूतपूर्व प्रीमीयरों के चित्र हैं। चित्रों की भिन्न शैली प्रत्येक प्रीमीयर की व्यक्तिगत पसंद को व्यक्त करती है।
- संग्रह में जो चित्र हैं उनमें शामिल हैं अलबर्टा के पहले प्रीमीयर ऐलैक्ज़ेंडर रुदरफोर्ड का चित्र, जिन्होंने अलबर्टा के विश्वविद्यालय की स्थापना की, तथा अरनैस्ट मैनिंग का चित्र, अलबर्टा के सबसे लंबी अवधि तक सेवा में रहने वाले प्रीमीयर, जो 25 वर्ष तक अलबर्टा के प्रीमीयर रहे।

अलबर्टा के लेफ्टिनेंट गवर्नरों के चित्र

- उत्तर-पश्चिमी दीवार के साथ-साथ अलबर्टा के भूतपूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नरों के चित्र हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर प्रदेश में रानी का प्रतिनिधि होता है तथा विधान मंडल के द्वारा पारित कानूनों को राजकीय सहमति देता है।
- चित्रों में बरतानवी सिविल वर्दी सोने की कशीदाकारी से सुसज्जित है – जिसमें 11 से 19 कैरट की सोने भरी तार लगी है – और जिसका वज़न लगभग 12 किलो है।
- चित्रों में शामिल हैं आदिवासी वंश के पहले लेफ्टिनेंट गवर्नर आदरणीय रैल्फ स्टीनहॉवर (1974-79), तथा अलबर्टा की पहली महिला लेफ्टिनेंट गवर्नर, आदरणीय हेलेन हनली (1985-91)[

मेस गदा आवरण

- मेस गदा, विधान सभा के कानून बनाने के प्राधिकार का चिन्ह है तथा विधान सभा के बैठने पर प्रतिदिन चैंबर में ले जाया जाता है। अलबर्टा का मूल मेस गदा (आवरण के ऊपर) विधान सभा की पहली बैठक के लिए, शीघ्रता से विभिन्न प्रकार के कबाड़ से बनाया गया था। यह 50 वर्ष तक इस्तेमाल होता रहा।
- अलबर्टा का मौजूदा मेस गदा (आवरण के नीचे) 1955 में बनाया गया था, यह सोने की परत वाली 5.7 किलो (200 आउन्स) चाँदी का बना है जिसके ऊपर अलबर्टा के जंगली गुलाबों और अन्य चिन्हों को हाथ से खोदा गया है।
- रस्मी तलवार जस्ते और स्टील की बनी है। 1987 में नई तलवार के दान किए जाने तक यह सारजेंट-ऐट-आर्मस के द्वारा पहनी जाती थी, जो कि चैंबर तथा गैलरियों की सुरक्षा का ज़िम्मेदार है।
- ब्लैक रॉड (Black Rod) , जिसे रॉयल कैनेडीयन लीजन के द्वारा 1998 में दान किया गया था, यह सारजैंट-ऐट-आर्मस के द्वारा लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ अनुरक्षण के लिए चैंबर तक जाते समय इस्तेमाल की जाती है। इसके विशेष आर्कषणों में श्री लंका का आबनूस, उत्कृष्ठ विशेष चाँदी तथा बर्तानिया की संसद् के द्वारा दान किया गया 1905 का सोने का सिक्का शामिल है।

चौथी मंज़िल

- दक्षिणी दीवार पर राजा जॉर्ज V तथा रानी मेरी के चित्र टंगे हैं। जब विधान मंडल की इमारत पहली बार खोली गई तो वे शासन कर रहे नरपति थे।
- उत्तरी दीवार पर विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्षों तथा उन उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों के लेफ्टिनेंट गवर्नरों के चित्र हैं, एक प्रदेश बनने से पहले अलबर्टा जिनका एक भाग था।

विधान मंडल चैंबर (Legislative Chamber)

- चैंबर को ऊपर से दृष्टमान करती गैलरियाँ आम जनता के लिए दोपहर तथा शाम के सत्र में खुली रहती हैं, और इनमें लगभग 215 लोग बैठ सकते हैं।
- चैंबर की छत लगभग 600 बिजली की बल्बों से रौशन है।
- चुने गए सदस्य चैंबर के किसी भी तरफ डेस्कों पर बैठते हैं। सबसे अधिक प्रतिनिधियों वाला राजनैतिक दल सरकार बनाता है, बाकी के सभी दल विपक्ष में शामिल होते हैं। प्रत्येक डेस्क पर एक माइक्रोफोन लगा होता है जिसका इस्तेमाल कार्रवाई के प्रसारण तथा छपे सार्वजनिक आलेखों को तैयार करने के लिए किया जाता है, जिन्हें अलबर्टा हैन्सर्ड (Alberta *Hansard*) कहा जाता है। विधान सभा की कार्रवाई का टी.वी. के माध्यम से प्रसारण 1972 से आरंभ हुआ।
- दीवार पर चित्र रानी एलिज़ाबेथ II तथा राजकुमार फिलिप, एडिनबर्ग के ड्यूक के हैं। चैंबर में हरा संगमरमर पेनसिल्वेनिया, यू.एस.ए. से है।
- दक्षिणी छोर पर अध्यक्ष की कुर्सी तथा चँदोवा है। अध्यक्ष एक सदस्य है जिसका चुनाव गुप्त मतदान-पद्धति के ज़रिए, विधान सभा की बैठक के दौरान बहस की अध्यक्षता के लिए, सभी सदस्यों के द्वारा किया जाता है।
- अध्यक्ष की कुर्सी के सामने वह मेज़ है जिसके ऊपर विधान सभा की बैठकों के दौरान मेस गदा रखा जाता है और जहाँ विधान सभा के काम-काज में सहयोग देने के लिए अफसर बैठते हैं।

पाँचवीं मंज़िल

- घंटा-तरंग कमरा जो अब मीटिंग रूम के तौर पर इसतेमाल किया जाता है, पहले घंटा-तरंग का सथान हुआ करता था जिसे 1967 में कैनेडा के शताब्दी महोत्सव के दौरान स्थापित किया गया था।1967 से पहले इस कमरे का इसतेमाल प्रदेश अजायबघर के तौर पर किया जाता था। इसके धुंदले शीशे की किसम वही है जो चैंबर मे इसतेमाल की गड़ी है। पलसतर की मोलडिंग में आप एग-ऐंड-डॉट मौटिफ देख सकते हैं जो जीवन और मौत के चक्कर का प्राचीन यूनानी प्रातीक है
- घंटा-तरंग, जो एक बिजली के आर्गन की तरह होता है, 1967 में कैनेडा के शताब्दी महोत्सव के दौरान स्थापित किया गया था। 391 धातु की छड़ों में से किसी एक को बजाने से पैदा हुई आवाज़ का दस लाख गुणा प्रवर्धन हो कर गुंबद के सबसे ऊपरी भाग से प्रसारण होता है। घंटा-तरंग पहले से रिकार्ड किए गए संगीत को कागज़ की पट्टियों के छिद्रों से एक प्लेयर प्यानो की तरह बजा सकता है, या इसे किसी संगीतकार के द्वारा कीबोर्ड के ज़रीए बजाया जा सकता है।
- इस मंज़िल के उत्तर की तरफ एक ध्वानिक जिज्ञासा है जिसे जादु स्थल (Magic Spot) कहा जाता है। नीचे के गोलाकार भवन के पानी के फव्वारे की आवाज़ बड़ी सीढ़ियों तथा गुंबद से परवर्तित होती है और ऐसा आभास होता है मानो पानी सुनने वाले के ऊपर से गिर रहा हो।
- पूर्वी खंड के प्रवेश के नज़दीक 'अलबर्टा की प्रसिध 5' (Alberta's Famous 5) के चित्र हैं। यह पाँच महिलाएं 1929 में कैनेडा के कानून को बदलने में सहायक थी जिससे अधिकारों तथा विशेषाधिकारों के मामलों में महिलाओं को एक 'व्यक्ति' की तरह शामिल किया गया।
- 1917 में रौबर्टा मैकएडमस प्रदेस में गऐ हुऐ फौजीओं के एक प्रतिनिधी के तौर पर अलबर्टा विधान सभा के लिये चुनी गड़ी। वह ब्रिटिश बादशाही में संसद मैंबर के पद पर सेवा निभाने वाली पहली औरतों में से एक बनी, यह पद जो उसने लुइस मैकिने के साथ बांटा। अपने छोटे से सेवा काल के दौरान कोई कानून दाखल करने वाली वह ब्रिटिश बादशाही में पहली औरत बनी। मैकएडमस ने 1921 तक सेवा निभाड़ी।

- गुंबद के सबसे ऊपर ताड़ के पाँच वृक्ष हैं जिन्हें उन बीजों से उगाया गया जो विधान मंडल को 1932 में कैलिफोर्निया, यू.एस. के द्वारा उपहार के रूप में दिए गए।